ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, मंगलवार 21 जुलाई 2026

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 3 अंक 95

उदयपुर पहुंचा 'तूफान'

टाउन हॉल पर अभूतपूर्व प्रदर्शन

24 न्यूज अपडेट

दिल्ली प्रदर्शन का तूफान आज उदयपुर में आकर बरस गया। टाउन हॉल में युवाओं का अभूतपूर्व जोशीला प्रदर्शन हुआ जिसने जबर्दस्त सुर्खियां बंटोरी, अंदोलन की लहर को और उंचा कर दिया। इसके पक्ष व विपक्ष में खेमेबंदी की तलवार ताने खड़े लोगों को हतप्रभ कर दिया, राजनीति करने वालों को नया सबक सिखा गया। एक हैशटेग से हुए आह्वान में पहुंचे युवाओं के हुजूम में पीएचडी कर चुके स्टूटेंड भी दिखे तो नीट एस्पीरेंट्स भी। सीए से लेकर अन्य प्रोफेशनल्स तक की मौजूदगी यह बता और जता गई कि युवाओं की मांगों को ना अनसुना किया जा सकता है ना उसकी अनदेखी की जा सकती है। नीट पेपर लीक के दंश उदयपुर के युवाओं ने भी सबसे ज्यादा सहे। पेपर लीक वाली री नीट में ऐसे कई अभ्यर्थी हैं जिनके नंबर इतने कम हो गए कि वे डाक्टर बनने की दौड़ से बाहर हो गए। नीट का पेपर देकर जश्न मनाने वाले री नीट का पेपर देकर अवसाद में चले गए। कई घरों में मातम मचा हुआ हैं। मीडिया में जो सुर्खियां बने हुए हैं वे केवल वे चंद स्टूडेंट्स हैं जो अपनी असाधारण प्रतिभा के दम पर री नीट में भी अच्छा स्कोर कर पाए। बाकी ऐसे भी स्टूडेंट हैं जिन्होंने तीसरा और चौथा ड्राप लेकर परीक्षा दी थी। उनकी उम्मीदों पर पानी फिर गया, भविष्य चौपट हो गया। अभिभावक समझ ही नहीं पा रहे हैं कि भविष्य की उम्मीदों का आखिर किस आसरे जिंदा रखा जाए। आज यह सब बाते की युवाओं ने टाउन हॉल पर हुए प्रदर्शन में। नारे देशभक्ति के लगे, शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के लगे। नारों में जो जोश था वो वहां मौजूद लोगों को हिला देने वाला था। युवा सपनों के टूटने के विरोध के इन स्वरों को अब नजरअंदाज किया जाना सही नहीं होगा, हमें न्याया चाहिए, यह कहना था वहां मौजूद स्टूडेंट्स का। उदयपुर में आम तौर पर पॉलिटिकल पार्टियां अपने अपने मतलब के प्रदर्शन का आहवान कर भीड़ जुटाती है मगर यह प्रदर्शन कई मायनों में अलग रहा। नारों में नयापन दिखा, प्रदर्शन सुनियोजित दिखा, तख्तियां, बैनर और प्रदर्शन के तौर तरीके एकदम अनुशासित और आधुनिक। कई लोग तो केवल प्रदर्शन देखने के लिए जुट गए । सुरक्षा के भी पूरे इंतजाम रहे। कई थानों के जाप्ते की मौजूदगी दिखाई दी। युवाओं ने मीडिया के समाने खुलकर कहा कि जिनकी रीढ़ की हड्डी है वे यहां आए हैं जिनकी नहीं है वे घर बैठे हैं। पॉलिटिक्स से उनका कोई लेना देना नहीं, मुद्दा केवल एक है धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा और जिन बच्चों ने पेपर लीक की वजह से सुसाइड कर लिया, उनके अभिभावकों को मुआवजा। दिल्ली में स्टूडेंट्स पर लाठियों का जबर्दस्त विरोध किया गया। सोनम वांगचुक पर ज्यादियां करने का आरोप लगाया गया। युवाओं के आंदोलन को देखते हुए शाम को कांग्रेस ने भी अपनी झिझक तोड़ी और चेतक सर्कल पर प्रदर्शन किया।

NEET विवाद पर दिल्ली में सियासी विस्फोट: PM आवास पर राहुल का धरना, हिरासत में विपक्ष; जंतर-मंतर पर सरकार को खुली चुनौती

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक विवाद मंगलवार को देश की राजधानी में बड़े राजनीतिक टकराव में बदल गया। एक ओर प्रधानमंत्री आवास के बाहर कांग्रेस और विपक्षी दलों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और मामले पर जवाबदेही की मांग को लेकर मोर्चा खोला, तो दूसरी ओर जंतर-मंतर पर जारी छात्र आंदोलन ने सरकार के साथ बातचीत से इनकार करते हुए साफ संदेश दिया कि अब वार्ता के लिए सरकार को ही आंदोलन स्थल पर आना होगा। दिनभर चले घटनाक्रम में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, अखिलेश यादव, डी.के. शिवकुमार, चरणजीत सिंह चन्नी सहित कई विपक्षी नेताओं को दिल्ली पुलिस ने प्रधानमंत्री आवास के निकट धरने से हिरासत में ले लिया। उधर, जंतर-मंतर पर आंदोलन को समर्थन देने अरविंद केजरीवाल, शरद पवार, सुप्रिया सुले, संजय सिंह, संजय राउत, जॉन ब्रिटास और वी. शिवदासन भी पहुंचे।

PM आवास तक पहुंचा विपक्ष, पुलिस ने हटाया

दोपहर बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास से अचानक विपक्षी नेता पैदल प्रधानमंत्री आवास की ओर रवाना हुए। सुरक्षा एजेंसियों और मीडिया को इसकी भनक तब लगी, जब काफिला पीएम आवास के करीब पहुंच चुका था। नेताओं ने वहीं धरना शुरू कर दिया और प्रधानमंत्री तथा शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग उठाई। दिल्ली पुलिस ने संवेदनशील क्षेत्र और लागू प्रतिबंधों का हवाला देकर धरना समाप्त करने को कहा, लेकिन नेताओं के नहीं मानने पर कार्रवाई शुरू की गई। इस दौरान राहुल गांधी धरने पर बैठे रहे। बाद में पुलिस उन्हें और अन्य नेताओं को हिरासत में लेकर वहां से हटाया।

सरकार का दावा- चर्चा को तैयार थे, विपक्ष ने बढ़ाई मांग

धरने के दौरान केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह राहुल गांधी से बातचीत करने पहुंचे। उन्होंने बाद में दावा किया कि सरकार संसद में NEET मुद्दे पर चर्चा कराने को तैयार थी, लेकिन विपक्ष ने इसके साथ शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की नई शर्त जोड़ दी। वहीं विपक्ष का कहना है कि केवल चर्चा नहीं, बल्कि जवाबदेही भी तय होनी चाहिए।

जंतर-मंतर से सरकार को खुली चेतावनी

उधर, जंतर-मंतर पर आंदोलन का नेतृत्व कर रहे कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया कि सरकार ने बातचीत के नाम पर उनके प्रतिनिधियों का समय बर्बाद किया और उन्हें कई घंटे तक रोके रखा। उन्होंने कहा कि अब आंदोलनकारी सरकार से मिलने नहीं जाएंगे, बल्कि यदि वार्ता करनी है तो सरकार को जंतर-मंतर आना होगा। दीपके ने यह भी घोषणा की कि यदि हिरासत में लिए गए लोगों को नहीं छोड़ा गया तो आंदोलनकारी दिल्ली पुलिस मुख्यालय तक मार्च करेंगे और रात आठ बजे वहां शांतिपूर्ण धरना देंगे।

सोनम वांगचुक को मेदांता शिफ्ट करने के आदेश

इस बीच दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के बाद लंबे समय से अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक को सफदरजंग अस्पताल से मेदांता अस्पताल ले जाने की प्रक्रिया शुरू हुई। उन्हें लेने के लिए मेदांता की एंबुलेंस अस्पताल पहुंची।

आंदोलन को विपक्ष का व्यापक समर्थन

जंतर-मंतर पर आंदोलनकारियों से मिलने पहुंचे अरविंद केजरीवाल, शरद पवार, सुप्रिया सुले, संजय सिंह, संजय राउत, जॉन ब्रिटास और वी. शिवदासन ने छात्रों के आंदोलन के प्रति समर्थन जताया। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के भी बुधवार को प्रदर्शन स्थल पहुंचने की संभावना जताई गई।

राजनीतिक टकराव और तेज होने के संकेत

संसद से लेकर सड़क तक NEET विवाद पर बढ़े इस टकराव के बीच सरकार ने दोहराया कि पेपर लीक के दोषियों को कड़ी सजा मिलेगी, जबकि विपक्ष और छात्र संगठन शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग पर अड़े हुए हैं। मंगलवार की घटनाओं ने साफ कर दिया कि यह मुद्दा अब केवल परीक्षा प्रणाली तक सीमित नहीं रहा, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर बड़ा राजनीतिक संघर्ष बन चुका है।

संपादकीय : जवाबदेही के बरक्स

दिल्ली के जंतर मंतर पर नीट परीक्षा में हुई गड़बड़ी के मुद्दे पर शुरू हुआ आंदोलन सोमवार को जिस रूप में पहुंच गया, उससे बचने के लिए अगर सिर्फ बातचीत का रास्ता अख्तियार किया गया होता, तो शायद यह नौबत नहीं आती। दरअसल, काकरोच जनता पार्टी ने सरकार से तीन मुख्य मांगों के साथ 'चलो संसद' का आह्वान किया था। वहां बड़ी संख्या जमा हुए युवाओं को रोकने के लिए पुलिस और सुरक्षा बलों ने आंसू गैस के गोले दागे, बल प्रयोग किया, जिसमें कई युवाओं के घायल होने की खबर आई। इस रुख ने एक बार फिर देश की लोकतांत्रिक परंपरा और सरकार की नीतियों पर सवाल उठाने के नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों पर चोट ही पहुंचाई है। संभव है कि इस तरह की सख्ती के जरिए आंदोलनकारियों की आवाज को फिलहाल शांत कर दिया जाए, लेकिन क्या इससे वे सवल खत्म हो जाएंगे, जिन्हें लेकर युवाओं के सामने सड़क पर उतरने की नौबत आई ? अगर सरकार की मंशा आंदोलनकारियों के मुद्दों को हंगामे की शोर में दफ्न करना नहीं है, तो क्या इसके लिए वक्त पर संवाद की पहल नहीं की जानी चाहिए थी ? इससे पहले शनिवार को इसी मुद्दे पर भूख हड़ताल कर रहे पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को जंतर मंतर से पुलिस जिस तरीके से उठा कर ले गई थी, उस पर भी सवाल उठे थे। मगर उसके बाद भी सरकार ने अपनी ओर से आंदोलनकारी युवाओं की मांगों पर विचार करना या उन पर बातचीत करना जरूरी नहीं समझा। 'चलो संसद' के आह्वान के बाद एक तरह से पहले से ही सब कुछ बिल्कुल स्पष्ट था कि सोमवार को जंतर मंतर पर होने वाला प्रदर्शन ज्यादा जटिल स्वरूप भी अख्तियार कर सकता है। सरकार ने उन्हें रोकने के लिए जिस शिद्दत से पुलिस बल को खुला खेड़ दिया, जो निर्देश दिए. क्या उतनी ही संजीदगी से आंदोलनकारी युवाओं से बातचीत के जरिए मसले का हल निकालने की कोशिश नहीं की जा सकती थी? हालांकि हंगामे के बाद केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा से काकरोच जनता पार्टी के प्रतिनिधियों की मुलाकात हुई और उन्होंने अपनी मांगों से संबंधित एक पत्र उन्हें सौंपा, मगर यह समझना मुश्किल है कि आखिर सरकार ने किन वजहों से इस संदर्भ में शुरू से ही उदासीनता और उपेक्षा का रुख अपनाए रखा। गौरतलब है कि आंदोलनकारियों की ओर से मुख्य रूप से तीन मांग की जा रही है। इसमें सोनम वांगचुक को अस्पताल से छुट्टी देने और उन पर कोई कार्रवाई न करने, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा या उन्हें बर्खास्त करने तथा नीट 2026 प्रश्नपत्र लीक होने के बाद आत्महत्या करने वाले विद्यार्थियों के परिजनों को एक-एक करोड़ पर मुआवजा देने की मांग शामिल है ये ऐसी मांगें हैं, जिन पर संवेदनशीलता और सकारात्मक दृष्टि के साथ विचार करना एक लोकतांत्रिक सरकार के लिए जिम्मेदारी का भी मामला होना चाहिए। विडंबना यह है कि जब शांतिपूर्ण आंदोलन का दायरा फैलने लगा और उसके सवाल तूल पकड़ने लगे, तब भी सरकार को इस समूचे मुद्दे पर परिपक्व प्रतिक्रिया देना जरूरी नहीं लगा लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन नागरिकों का संवैधानिक अधिकार है और आंदोलनकारियों की बात सुनना तथा उनसे संवाद करना सरकार का लोकतांत्रिक दायित्व है। इसके बजाय आंदोलनकारी युवाओं के खिलाफ सख्ती का रास्ता चुना गया। सरकार खुद शैक्षिक सुधार के दावे करती नहीं थकती। मगर विचित्र है कि शिक्षा जवाबदेही का मुद्दा उसके लिए गैर महत्त्वपूर्ण हो जाता है !

कामयाबी का खिताब

अमेरिका के न्यू जर्सी में रथेन और अर्जेंटीना के बीच खेले गए फीफा के फाइनल मैच के साथ ही इस वर्ष का अंतरराष्ट्रीय फुटबल आयोजन अपने पीछे खड़ी-मीठी यादें छोड़ गया है। फाइनल में स्पेन ने मैदान में शानदार प्रदर्शन करते हुए अर्जेंटीना को अतिरिक्त समय में एक गोल से हराया और फीफा विश्वकप 2026 अपने नाम कर लिया । इसमें कोई संदेह नहीं कि स्पेन और अर्जेंटीना ने अपना पूरा दम लगा कर एक-दूसरे से मुकाबला किया। निर्धारित समय में कोई फैसला नहीं हो सका, तो इसका मतलब यही है कि मैदान में दो बराबर क्षमता की टीमें थीं और यह तय होना मुश्किल था कि कौन दूसरे पर भारी पड़ेगा। मगर अतिरिक्त समय में आखिर स्पेन ने बाजी झटक कर यह साबित किया कि एक बार फिर वह फिलहाल सर्वश्रेष्ठ टीम है। हालांकि स्पेन ने दबदबा जरूर बनाए रखा, लेकिन अर्जेंटीना ने अपनी और से कोई कसर नहीं छोड़ी। निश्चित तौर पर फुटबल से प्रेम करने वालों को लियोनेल मेस्सी के चमत्कारिक खेल की उम्मीद रही होगी, लेकिन फाइनल सहित पिछले कई मैचों में उनकी चमक फीकी ही रही। दरअस एक खिलाड़ी की क्षमता पर ज्यादा निर्भरता किसी भी टीम के बाकी मोर्चे को सुरक्षात्मक बना दे सकती है। अर्जेंटीना के साथ शायद ऐसा ही हुआ। दूसरी ओर, स्पेन के सभी खिलाड़ियों ने पूरे मैदान में हर स्तर पर अपनी ठोस मौजूदगी का एहसास कराया और वैश्विक खिताब अपने नाम किया। जाहिर है, जिस अर्जेंटीना से वैश्विक फुटबाल प्रेमियों को किसी चमत्कार की आस रही होगी, अब उसकी टीम की उम्मीदें अगले आयोजन तक के लिए आगे खिसक गई। यह किसी भी खेल प्रतियोगिता का एक सामान्य और स्वाभाविक चक्र है। मगर अफसोस की बात है कि फीफा के मैचों में जिस तरह लगातार कई विवाद सामने आए, उसने दुनिया भर के खेलप्रेमियों को निराश किया। कुछ मैचों के दौरान कई मौकों पर खिलाड़ियों ने जिस तरह नियमों को तोड़ने की कोशिश की, कई खिलाड़ियों के बीच अप्रिय टकराव की स्थिति देखी गई रेफरी की भूमिका पर सवाल उठे, उससे प्रतियोगिता के नियम-कायदे और उन पर सख्ती से अमल को लेकर सवाल उठे हैं।

चौमासे में कोई 'सूखा' ना जाए महा—अभियान!!!

उदयपुर में आबकारी विभाग की बैठक में शराब बिक्री का लक्ष्य 120% तक बढ़ाया, मेहता साहब बोले - हर दुकान पर शराब की बिक्री बढ़ाओ!!!

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। प्रदेश में नशामुक्ति के संदेशों और जनजागरूकता अभियानों की नौटंकी अब खुलकर सामने आ गई है। उदयपुर में आबकारी विभाग की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक में एक अलग ही तस्वीर पेश की। बैठक में अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि मदिरा उठाव को 120 प्रतिशत तक पहुंचाया जाए और राजस्व लक्ष्य हर हाल में हासिल किए जाएं। दूसरी ओर उदयपुर शहर में रात आठ बजे के बाद भी शराब दुकानों की खिड़कियों से खुलेआम हो रही बिक्री पर कार्रवाई नहीं होने से विभाग की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में है। जिला परिषद सभागार में आयोजित बैठक में आबकारी आयुक्त नमित मेहता ने अधिकारियों से कहा कि जिन जिलों में राजस्व वृद्धि अपेक्षा के अनुरूप नहीं है, वहां दुकानवार और सर्कलवार समीक्षा कर शराब की बिक्री बढ़ाई जाए। बैठक में अधिकारियों को चेतावनी भी दी गई कि लक्ष्य पूरे नहीं होने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बैठक में साफ तौर पर मदिरा उठाव को 120 प्रतिशत तक ले जाने पर जोर दिया गया। हालांकि अफसर सरकारी आदेशों के अनुरूप ही अपना काम कर रहे हैं मगर इससे नशामुक्ति और नशाबंदी जैसे जुमलों पर जमकर पत्थरबाजी हो रही है। नशामुक्ति अभियान चलाने वाले तो आंसू गैस के गोलों में नहाए हुए ठगा हुआ सा महसूस कर रहे हैं। इधर वे शराब मुक्ति की बात करते हैं, उधर से सरकारी अफसर दारू बेचने का टागेर्ट बढ़ा देते हैं। चौमासे में यह चल रहा यह खेल अब जनता को भी समझ में आने लगा है। इस बीच उदयपुर की सड़कों पर 8 पीएम के बाद की रोज रात की तस्वीर कुछ और ही नजर आती है। निर्धारित समय के बाद दुकानें बंद जरूर हो जाती हैं, लेकिन साइन बोर्ड चमकते हैं। अधिकांश दुकानों पर जालीदार शटर लगा दिए गए हैं। जिसमें उस पर एक बंदा एकदम रेडी टू सर्व रहता है तो खरीददार भी मदमस्त होकर शटर की खिड़की से महाप्रसाद पाते रहते हैं। अधिकांश स्थानों पर शटर के भीतर बनी खिड़कियों की जगह चोर रास्ते भी हैं ताक कोई सूखा ना जाए वाली भावना को चरितार्थ किया जा सके। देर रात तक शराब की बिक्री धमकेदार तरीके से जारी रहती है। यह कोई छिपी हुई बात नहीं है बल्कि रोजाना शहरवासी अपनी आंखों से देखते हैं। सवाल यह है कि जब यह दृश्य सबको दिखाई देता है तो जिम्मेदार विभागों को क्यों नहीं दिखाई देता? बहरहाल अधिकारियों की बैठक में अवैध शराब रोकने, होटलों और रिसोर्ट्स में जांच बढ़ाने तथा राजस्व लीकेज रोकने के निर्देश भी दिए गए। लेकिन शहर में तय समय के बाद खुलेआम हो रही बिक्री पर कार्रवाई का जिक्र कहीं नजर नहीं आया। याने पईसा सरकारी खजाने में आ जाए, बस इसी की चिंता रहती है। बाकी सुधारवादी काम स्वयंसेवी संस्थाओं का। यह विभाग जमकर दारू पिलाएगा, दूसरा विभाग जमकर नसीहतें देगा कि दारू पीना ठीक नहीं है,,,??? यही विरोधाभास अब चर्चा का विषय बन गया है। एक ओर समाज को नशे से दूर रहने की सीख दी जा रही है, दूसरी ओर विभागीय बैठकों में शराब के 120 प्रतिशत उठाव का लक्ष्य तय हो रहा है। ऐसे में शहर में यह सवाल गूंज रहा है कि आखिर प्राथमिकता क्या है'नशामुक्त समाज या अधिकतम आबकारी राजस्व?*

उदयपुर के विद्यार्थियों को न्यायिक अधिकारी ने दिया नशामुक्त जीवन का मंत्र, कहा- 'नशे को ना, सपनों को हां'

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। युवा पीढ़ी को नशे की गिरफ्त से बचाने और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से सेंट पॉल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मंगलवार को राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में "ट्रांसफॉर्मेटिव ट्यूसडे" कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मनीष कुमार जोशी ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए नशे से दूर रहने और अपने सपनों को प्राथमिकता देने का संदेश दिया। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मनीष कुमार जोशी ने विद्यार्थियों से कहा कि "नशे को 'ना' कहें, अपने सपनों को 'हाँ' कहें।" उन्होंने स्पष्ट किया कि नशा किसी भी रूप में आधुनिकता या व्यक्तित्व की पहचान नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति के स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन, सामाजिक जीवन और भविष्य को बर्बाद कर देता है। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर अनुशासित जीवन जीने, सकारात्मक सोच अपनाने और गलत संगति से दूर रहने की सलाह दी। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नशे के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्परिणामों की जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें बताया गया कि नशे से दूरी बनाकर ही वे अपने सपनों को साकार कर समाज और देश के जिम्मेदार नागरिक बन सकते हैं। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्राचार्य फादर ए. जॉन बॉस्को ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मनीष कुमार जोशी का उपरना एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मान किया। विद्यालय प्रशासन ने ऐसे जागरूकता अभियानों को विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण और सुरक्षित भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

स्वरूपसागर में मौत से जंग: झील में कूदी महिला को दो युवकों और महिला पुलिसकर्मियों ने बचाया

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर के स्वरूपसागर में सोमवार सुबह एक दर्दनाक घटना उस समय टल गई, जब 56 वर्षीय महिला ने झील में छलांग लगाकर जान देने की कोशिश की। हालांकि मौके पर मौजूद दो युवकों की बहादुरी और कालिका पेट्रोलिंग टीम की महिला पुलिसकर्मियों की सूझबूझ ने कुछ ही मिनटों में हालात बदल दिए और महिला की जान बच गई। सुबह करीब 9 बजे स्वरूपसागर किनारे स्थित पार्क में लोग रोज की तरह टहल रहे थे। इसी दौरान एक महिला अचानक झील में उतर गई। देखते ही देखते आसपास अफरा-तफरी मच गई। इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता, वहां मौजूद दो युवकों ने अपनी जान की परवाह किए बिना झील में छलांग लगा दी और महिला को पानी से बाहर निकाल लिया। घटना की सूचना मिलते ही इलाके में गश्त कर रही कालिका पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंच गई। महिला की हालत नाजुक होने के कारण समय गंवाना मुमकिन नहीं था। हेड कॉन्स्टेबल भंवर कुंवर और कॉन्स्टेबल सुनीता ने तुरंत जिम्मेदारी संभाली। आसपास एम्बुलेंस उपलब्ध नहीं होने पर हेड कॉन्स्टेबल भंवर कुंवर करीब 200 मीटर दौड़कर ऑटो लेकर आईं। स्थानीय लोगों की मदद से महिला को ऑटो में बैठाया गया और सीधे एमबी अस्पताल के ट्रॉमा इमरजेंसी वार्ड पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने तत्काल उपचार शुरू कर दिया। पुलिस के अनुसार महिला की पहचान विमला (56) के रूप में हुई है। वह स्वरूपसागर क्षेत्र में रहती हैं और मूल रूप से चूरू जिले की निवासी हैं। सूचना मिलते ही उनके बेटे और बहू अस्पताल पहुंचे। दोनों चिकित्सक हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि महिला पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रही थीं। सोमवार सुबह परिवार के अन्य सदस्य सो रहे थे, तभी वह चुपचाप घर से निकल गईं और स्वरूपसागर पहुंचकर यह कदम उठा लिया। पुलिस घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

ओल्ड सिटी की बदहाल सड़कों, पार्किंग शुल्क और स्ट्रीट लाइट को लेकर नगर निगम आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर की ओल्ड सिटी क्षेत्र में पार्किंग शुल्क वृद्धि, फिसलन भरी सड़कों, बंद स्ट्रीट लाइट और सड़क सुरक्षा से जुड़ी समस्याओं को लेकर मंगलवार को स्थानीय प्रतिनिधिमंडल ने नगर निगम आयुक्त अभिषेक खन्ना से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने आमजन को हो रही परेशानियों से अवगत कराते हुए जल्द समाधान की मांग की। प्रतिनिधिमंडल में गौरव प्रताप सिंह, कौशल आमेटा, प्रतीक नागर, मोहित मेनारिया और सुरेश आदिच्य शामिल थे। ज्ञापन में गौरव प्रताप सिंह ने बताया कि ओल्ड सिटी क्षेत्र में पहले मासिक पार्किंग शुल्क 1200 रुपए था, जिसे बढ़ाकर 3000 रुपए कर दिया गया है। उन्होंने शुल्क में राहत देकर स्थानीय निवासियों और व्यापारियों को राहत प्रदान करने की मांग की। प्रतीक नागर ने गणगौर घाट, जगदीश चौक, गाड़िया देवरा सहित कई स्थानों की सड़कों के अत्यधिक फिसलन भरे होने का मुद्दा उठाते हुए कहा कि इससे आए दिन दोपहिया वाहन चालक दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। उन्होंने गणगौर घाट के ऊपर बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को भी जल्द शुरू कराने की मांग की। वहीं कौशल आमेटा ने वार्ड-14 की संकरी गलियों में स्पीड ब्रेकर नहीं होने से लगातार हो रही दुर्घटनाओं का मुद्दा उठाया। उन्होंने फिसलन भरी सड़कों पर विशेष मशीन से सतह को खुरदरा कराने तथा दुर्घटना संभावित स्थानों पर स्पीड ब्रेकर बनाने की मांग की, ताकि आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

नगर निगम आयुक्त अभिषेक खन्ना ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि सभी मांगों पर प्राथमिकता से कार्रवाई करते हुए संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

सड़कों पर स्टंटबाजी पड़ी भारी, पुलिस ने 12 पावर बाइक जब्त कीं

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिले में सड़कों पर स्टंट कर आम लोगों की जान जोखिम में डालने वाले बाइक सवारों के खिलाफ बाघपुरा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 12 पावर बाइकों को जब्त किया है। सभी वाहनों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रजत विश्नोई और झाड़ोल वृत्ताधिकारी विवेक सिंह के सुपरविजन में की गई। बाघपुरा थानाधिकारी गोपाल सिंह मीणा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 20 जुलाई को अभियान चलाकर ऐसे बाइक चालकों पर शिकंजा कसा, जो सार्वजनिक सड़कों पर खतरनाक स्टंट कर राहगीरों की सुरक्षा से खिलवाड़ कर रहे थे। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान 12 पावर बाइकों को जब्त कर उनके चालकों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कानूनी कार्रवाई की। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सड़क पर स्टंटबाजी, तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त अभियान जारी रहेगा, ताकि सड़क हादसों पर अंकुश लगाया जा सके।

बंदूक-तलवार दिखाकर बन रहे थे 'डॉन', पुलिस ने उतारा रौब; 5 रीलबाज गिरफ्तार, थाने में हाथ जोड़कर मांगी माफी

24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा। सोशल मीडिया पर हथियारों के साथ रील बनाकर खुद को डॉन और माफिया बताने वाले युवकों पर भीलवाड़ा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। जिले के पांच थाना क्षेत्रों में अभियान चलाकर ऐसे पांच रीलबाज युवकों को गिरफ्तार किया गया, जो बंदूक और तलवार के साथ वीडियो व फोटो पोस्ट कर दहशत फैलाने और अपराधियों जैसी छवि बनाने की कोशिश कर रहे थे। गिरफ्तारी के बाद पुलिस के सामने सभी के तेवर बदल गए और उन्होंने हाथ जोड़कर अपनी गलती स्वीकार करते हुए माफी मांगी। पुलिस अधीक्षक सागर के निर्देश पर चलाए गए विशेष अभियान के तहत सोशल मीडिया मॉनिटरिंग और तकनीकी सर्विलांस के जरिए आरोपियों की पहचान की गई। जांच में सामने आया कि आरोपी हथियारों का प्रदर्शन कर खुद को गैंगस्टर और माफिया के रूप में पेश कर रहे थे तथा युवाओं के बीच गलत संदेश पहुंचा रहे थे। बनेड़ा थाना पुलिस ने सरदारपुरा निवासी बलराम उर्फ बल्लू जाट को गिरफ्तार किया। उसने बंदूक के साथ फोटो पोस्ट कर '307' गैंग से जुड़े संदेश साझा किए थे। सदर थाना पुलिस ने चौपड़ा का खेड़ा निवासी सुरेश कालबेलिया को बंदूक और तलवार के साथ वीडियो बनाने के मामले में पकड़ा। आसींद थाना पुलिस ने बगता का खेड़ा निवासी रामलाल उर्फ रॉकी को हथियार के साथ रील पोस्ट करने पर गिरफ्तार किया। वहीं शाहपुरा थाना पुलिस ने राज उर्फ लकी और कारोई थाना पुलिस ने कुलदीप सिंह को हथियारों का प्रदर्शन करने के आरोप में गिरफ्तार किया। पुलिस हिरासत में पहुंचते ही सोशल मीडिया पर रौब झाड़ने वाले इन युवकों का अंदाज पूरी तरह बदल गया। पुलिस के सामने उन्होंने हाथ जोड़कर माफी मांगी और भविष्य में ऐसी हरकत नहीं करने का भरोसा दिया। एसपी सागर ने कहा कि सोशल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन करना, अपराधियों का महिमामंडन करना या लोगों में भय पैदा करने वाली पोस्ट और रील साझा करना कानूनन अपराध है। ऐसे मामलों पर पुलिस की लगातार नजर है और भविष्य में भी इस तरह की गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

राजसमंद में पुलिस पर तस्करों की फायरिंग, 454 किलो डोडा-चूरा जब्त; एक गिरफ्तार, दूसरा जंगल में फरार

24 न्यूज अपडेट

राजसमंद। जिले में मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान पुलिस और तस्करों के बीच मुठभेड़ जैसी स्थिति बन गई। चारभुजा थाना क्षेत्र में नाकाबंदी तोड़कर भाग रहे तस्करों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी दो राउंड फायर किए। इस दौरान एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि उसका साथी अंधेरे का फायदा उठाकर जंगल में फरार हो गया। पुलिस ने मौके से करीब 454.385 किलोग्राम अवैध अफीम डोडा-चूरा और तस्करी में प्रयुक्त स्कॉर्पियो जब्त कर ली। पुलिस अधीक्षक हेमंत कलाल के निर्देशन में डीएसटी, साइबर सेल और चारभुजा थाना पुलिस की संयुक्त टीम झीलवाड़ा-टुंडरा बेरी मार्ग पर नाकाबंदी कर संदिग्ध वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान एक संदिग्ध स्कॉर्पियो को रुकने का इशारा किया गया, लेकिन चालक वाहन तेज गति से भगाकर भागने लगा। पुलिस के पीछा करने पर स्कॉर्पियो में सवार एक बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने भी आत्मरक्षा में दो राउंड फायर किए। कार्रवाई के दौरान चालक गोविंद उर्फ गोविंद पाल, निवासी भियाड़ (बाड़मेर) को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि दूसरा आरोपी जंगल की ओर भाग निकला। उसकी तलाश में पुलिस की विशेष टीमें लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही हैं। तलाशी के दौरान स्कॉर्पियो से 25 कट्टों में भरा 454.385 किलोग्राम अफीम डोडा-चूरा बरामद हुआ, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत 68 से 70 लाख रुपए आंकी जा रही है। पुलिस ने वाहन भी जब्त कर लिया। जांच में यह भी सामने आया कि तस्कर पुलिस की निगाह से बचने के लिए वाहन पर तीन अलग-अलग फर्जी नंबर प्लेट रखते थे और जरूरत के अनुसार उन्हें बदलते थे। पुलिस अब फरार आरोपी की तलाश के साथ-साथ यह भी जांच कर रही है कि यह खेप कहां से लाई गई थी और किस स्थान पर सप्लाई की जानी थी।

डूंगरपुर का साइबर ठगी कनेक्शन बेनकाब, दुबई से संचालित 160 करोड़ के नेटवर्क का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर। अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी नेटवर्क पर डूंगरपुर पुलिस ने बड़ी चोट करते हुए करीब 160 करोड़ रुपए की साइबर धोखाधड़ी के मास्टरमाइंड को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी दुबई से नेटवर्क संचालित कर रहा था और नेपाल व भूटान के रास्ते भारत लौटने के बाद गिरफ्त से बचने की कोशिश कर रहा था। पुलिस ने उसे उदयपुर के बलीचा क्षेत्र से दबोच लिया। पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी घनश्याम कलाल, निवासी सीमलवाड़ा, इस पूरे गिरोह का मुख्य संचालक है। साइबर थाना डीएसपी हंसाराम चौधरी के अनुसार आरोपी विदेश से नेपाल और भूटान के रास्ते भारत में दाखिल हुआ था। उसकी गतिविधियों पर तकनीकी निगरानी और पारंपरिक पुलिसिंग के जरिए नजर रखी गई, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

ग्रामीणों और विद्यार्थियों के नाम पर खुलवाए 450 से ज्यादा खाते

जांच में सामने आया है कि गिरोह सरकारी योजनाओं, छात्रवृत्ति, पैन कार्ड, बैंक खाता खुलवाने और लोन दिलाने का झांसा देकर ग्रामीणों और विद्यार्थियों के नाम पर 450 से अधिक बैंक खाते खुलवाता था। इसके बाद खाताधारकों से पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक, मोबाइल सिम और इंटरनेट बैंकिंग की जानकारी लेकर उन खातों का इस्तेमाल देशभर में साइबर ठगी की रकम के लेन-देन के लिए किया जाता था। पुलिस के अनुसार इन्हीं खातों के जरिए 160 करोड़ रुपए से अधिक की साइबर ठगी को अंजाम दिया गया।

दुबई, कुवैत और जॉर्जिया से चलता था नेटवर्क

पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि गिरोह का संचालन दुबई, कुवैत और जॉर्जिया से किया जा रहा था। गिरोह के सदस्य टेलीग्राम और व्हाट्सएप जैसे मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के जरिए संपर्क में रहते थे। ठगी की रकम बैंक खातों में जमा होने के बाद उसे एटीएम और चेक के माध्यम से निकालकर कमीशन के आधार पर विभिन्न सदस्यों में बांटा जाता था। इस हाई-प्रोफाइल साइबर ठगी मामले में पुलिस पहले ही गिरोह के पांच अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। अब मास्टरमाइंड से पूछताछ कर पुलिस पूरे नेटवर्क, देश-विदेश में सक्रिय सहयोगियों और ठगी के अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन की जानकारी जुटा रही है। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे किसी भी लालच या झांसे में आकर अपना बैंक खाता, एटीएम कार्ड, चेकबुक, ओटीपी या इंटरनेट बैंकिंग से जुड़ी जानकारी किसी अन्य व्यक्ति को उपलब्ध न कराएं, क्योंकि ऐसे खाते साइबर अपराधियों के लिए सबसे बड़ा माध्यम बन रहे हैं।

गिफ्ट के नाम पर 23.28 लाख की साइबर ठगी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। वल्लभनगर क्षेत्र की एक महिला से सोना-चांदी और विदेशी करेंसी का गिफ्ट भेजने का झांसा देकर 23.28 लाख रुपए की साइबर ठगी का मामला सामने आया है। ठगों ने अलग-अलग मोबाइल और अंतरराष्ट्रीय नंबरों से व्हाट्सऐप कॉल कर रजिस्ट्रेशन व अन्य औपचारिकताओं के नाम पर किस्तों में रकम ट्रांसफर करवाई। महिला ने अपनी बचत के साथ रिश्तेदारों से उधार लेकर भी पैसे भेज दिए। बाद में आरोपियों के फोन बंद हो गए तो पीड़िता ने साइबर थाने में मामला दर्ज कराया। पुलिस खातों और कॉल करने वाले नंबरों की जांच में जुटी है तथा लोगों से किसी भी लालच या अनजान कॉल पर पैसे ट्रांसफर नहीं करने की अपील की है।

90 फीट गहरे कुएं से युवक का शव बरामद, डेढ़ घंटे के रेस्क्यू के बाद नागरिक सुरक्षा टीम को मिली सफलता

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिले के मावली थाना क्षेत्र के वडियार गांव में मंगलवार सुबह एक युवक का शव 90 फीट गहरे कुएं से बरामद किया गया। कुएं के पास चप्पल, पर्स और बीड़ी का बंडल मिलने के बाद युवक के कुएं में गिरने की आशंका जताई गई थी। सूचना मिलते ही राजस्थान नागरिक सुरक्षा विभाग की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची और करीब डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद शव को बाहर निकालकर पुलिस के सुपुर्द कर दिया। जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह करीब 10 बजे मावली थाना पुलिस को सूचना मिली कि वडियार गांव के समीप एक कुएं के पास किसी व्यक्ति की चप्पल, पर्स और बीड़ी का बंडल पड़ा है, जबकि संबंधित व्यक्ति का कहीं पता नहीं चल रहा। सूचना की गंभीरता को देखते हुए राजस्थान नागरिक सुरक्षा विभाग उदयपुर के उप नियंत्रक दीपेंद्र सिंह राठौड़ के निर्देश पर तत्काल विशेष रेस्क्यू टीम रवाना की गई। रेस्क्यू टीम ने मौके पर पहुंचकर करीब 90 फीट गहरे कुएं में तलाशी अभियान शुरू किया। लगभग डेढ़ घंटे तक चले अभियान के बाद टीम ने युवक का शव कुएं से बाहर निकाला और मावली थाना पुलिस को सौंप दिया। मृतक की पहचान भंवरलाल भील (32) पुत्र भेराजी भील, निवासी छापेड़ा, वडियार के रूप में हुई है। रेस्क्यू अभियान में गोताखोर गौरव बागोरा, विजय नकवाल, चालक प्रकाश राठौड़ तथा सुरेश सालवी और मुकेश सेन सहित नागरिक सुरक्षा विभाग के अन्य सदस्य शामिल रहे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है। फिलहाल युवक के कुएं में गिरने के कारणों की जांच की जा रही है।

9 महीने में 80 इनामी तस्कर गिरफ्तार, 21.28 लाख के इनामी अपराधियों पर एएनटीएफ का शिकंजा

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राजस्थान पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए पिछले 9 महीनों में 80 इनामी तस्करों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों पर कुल 21.28 लाख रुपए का इनाम घोषित था। एएनटीएफ ने राजस्थान समेत 8 राज्यों में विशेष अभियान चलाकर अंतरराज्यीय ड्रग नेटवर्क पर कार्रवाई की। गिरफ्तार आरोपियों में 64 राजस्थान, 10 मध्यप्रदेश, 2-2 गुजरात और पंजाब, जबकि हरियाणा, केरल, झारखंड और पश्चिम बंगाल के तस्कर भी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार तस्करों में 65 आरोपियों पर 25 हजार रुपए से अधिक, 9 पर 50 हजार रुपए से अधिक और 2 पर एक-एक लाख रुपए से अधिक का इनाम घोषित था। इनमें 16 तस्कर ऐसे भी थे, जो 5 से 10 वर्ष से अधिक समय से फरार चल रहे थे। एएनटीएफ के आईजी विकास कुमार ने बताया कि अब अगला लक्ष्य 'नार्को-25' सूची में शामिल बड़े तस्करों, उनके नेटवर्क और अवैध संपत्तियों पर कार्रवाई करना है। पुलिस ने आमजन से भी नशा तस्करी की सूचना गोपनीय रूप से साझा करने की अपील की है।

'इंजन में आग लग जाएगी' कहकर डॉक्टर को कार से उतारा, ब्रीफकेस लेकर फरार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर में वाहन चालकों को निशाना बनाने वाले बदमाशों ने चोरी का नया तरीका अपनाया है। सूरजपोल थाना क्षेत्र में एक चिकित्सक की कार में जलता हुआ ऑयल डालकर इंजन में आग लगने का भ्रम पैदा किया गया। जैसे ही डॉक्टर और उनकी पत्नी कार से बाहर निकले, अज्ञात बदमाश कार में रखा ब्रीफकेस लेकर फरार हो गए। पुलिस के अनुसार जीवनतारा कॉम्प्लेक्स, गोवर्धन विलास निवासी डॉ. गोकुलनारायण शर्मा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 19 जुलाई की शाम करीब 5:45 बजे वे अपनी पत्नी के साथ भोपालपुरा से कार द्वारा घर लौट रहे थे। उदियापोल चौराहे से आगे एक युवक दौड़ते हुए कार के पास आया और बताया कि उनकी गाड़ी के इंजन से तेल निकल रहा है तथा आग लग सकती है। चेतावनी के बाद डॉक्टर ने कुछ दूरी पर कार रोक दी। कार से उतरकर देखने पर ग्रिल के पास तेल गिरता दिखाई दिया। कुछ ही देर में इंजन से धुआं उठने लगा, जिससे उनकी पत्नी को खांसी आने लगी और दोनों कार से बाहर आ गए। इसी दौरान डॉक्टर ने अपने बेटे को फोन कर सूचना दी। बाद में परिजन मौके पर पहुंचे और कार की जांच की तो उसमें किसी प्रकार का ऑयल लीकेज नहीं मिला। सभी घर लौट गए, लेकिन घर पहुंचकर सामान निकालते समय पता चला कि कार में रखा ब्रीफकेस गायब है।

चलती ट्रेन से गिरा युवक, रातभर तलाश के बाद सुबह ट्रैक किनारे मिला शव

24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़। जयपुर-भोपाल ट्रेन से सफर कर रहे एक युवक की चलती ट्रेन से गिरने से मौत हो गई। परिजन रातभर उसे तलाशते रहे, लेकिन मंगलवार सुबह गंगरार में रेलवे ट्रैक के पास उसका शव मिलने के बाद पूरे घटनाक्रम से पर्दा उठा। मामले की जांच अब जीआरपी कर रही है। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान राहुल मीणा पुत्र दुलाराम मीणा, निवासी झाबुआ (मध्यप्रदेश) के रूप में हुई है। राहुल सोमवार देर रात अपनी मां और चचेरे भाई के साथ जयपुर-भोपाल ट्रेन के जनरल कोच में घर लौट रहा था। रात करीब 2:30 बजे वह टॉयलेट जाने के लिए सीट से उठा, लेकिन वापस नहीं लौटा। परिजनों ने पूरे डिब्बे में उसकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। आशंका होने पर वे चंदेरिया स्टेशन पर उतर गए और स्टेशन मास्टर को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही भीलवाड़ा आरपीएफ और जीआरपी ने देर रात तक संभावित स्थानों पर युवक की तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। मंगलवार सुबह गंगरार कोर्ट के पीछे रेलवे अंडरपास के पास ट्रैक किनारे एक युवक का शव पड़ा होने की सूचना राहगीरों ने गंगरार थाना पुलिस को दी। थानाधिकारी तुलसीराम पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। युवक के सिर पर गंभीर चोट के निशान थे और उसकी मौके पर ही मौत हो चुकी थी। पहचान नहीं होने पर पुलिस ने शव की फोटो विभिन्न थानों और जीआरपी को भेजी। इसी दौरान जीआरपी से मिली सूचना के आधार पर मृतक की पहचान राहुल मीणा के रूप में हुई। सूचना मिलने पर परिजन भी मौके पर पहुंचे और शव की शिनाख्त की। घटना की गंभीरता को देखते हुए गंगरार थाना पुलिस ने एफएसएल और एमओबी टीम को भी मौके पर बुलाया। प्रारंभिक जांच में मामला चलती ट्रेन से गिरने का सामने आने पर आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए शव और केस जीआरपी को सौंप दिया गया। जीआरपी के सब इंस्पेक्टर सोमेंद्र कसोटिया ने बताया कि शुरुआती जांच में सामने आया है कि राहुल टॉयलेट से लौटने के बाद ट्रेन के गेट पर खड़ा था। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से वह नीचे गिर गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है और पूरे घटनाक्रम की जांच जारी है।

ठोकर चौराहे पर होमगार्ड जवान को बोनट पर घसीटने वाला कार चालक गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। प्रतापनगर थाना पुलिस ने ठोकर चौराहे पर ड्यूटी के दौरान होमगार्ड जवान को कार से टक्कर मारकर करीब 200 मीटर तक बोनट पर घसीटने के सनसनीखेज मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी पर राजकार्य में बाधा पहुंचाने और जानलेवा हरकत करने के आरोप में कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार हेड कांस्टेबल प्रेमशंकर की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। रिपोर्ट में बताया गया कि 19 जुलाई को ठोकर चौराहे पर हेड कांस्टेबल प्रेमशंकर, कांस्टेबल राजेन्द्र सिंह, होमगार्ड जवान सतीश कुमार सहित पुलिसकर्मी सुबह 8 से दोपहर 12 बजे तक मोटर वाहन अधिनियम के तहत जांच कर रहे थे। इसी दौरान सुबह करीब 10:35 से 10:40 बजे प्रतापनगर की ओर से सेवाश्रम जा रही एक टैक्सी कार को होमगार्ड जवान सतीश कुमार ने रोकने का प्रयास किया। आरोप है कि चालक ने वाहन रोकने के बजाय सीधे जवान को टक्कर मार दी, जिससे वह उछलकर कार के बोनट पर जा गिरा। इसके बावजूद चालक ने गाड़ी नहीं रोकी और जवान को बोनट पर लटकाए हुए करीब 150 से 200 मीटर तक वाहन दौड़ाता रहा। घटना के समय रविवार होने के कारण ठोकर चौराहे पर कपड़ा बाजार लगा हुआ था। लोगों के शोर मचाने और पीछा करने पर भीड़ ने किसी तरह कार को रुकवाया। पुलिस का कहना है कि यदि समय रहते वाहन नहीं रुकता तो जवान की जान को गंभीर खतरा हो सकता था। जांच के बाद प्रतापनगर थाना पुलिस ने आरोपी कन्हैया लाल पुत्र सुरेश गर्ग, निवासी माताजी की पांडोली, चंदेरिया (हाल दक्षिणी सुंदरवास, उदयपुर) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है।

उदयपुर समेत राजस्थान के 8 जिले डेंगू-मलेरिया के हाई अलर्ट पर, केंद्र ने बढ़ाई निगरानी; हर सप्ताह चलेगा मच्छर नियंत्रण अभियान

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। मानसून के बीच मौसमी बीमारियों के बढ़ते खतरे को देखते हुए केंद्र सरकार ने उदयपुर सहित राजस्थान के आठ जिलों को डेंगू और मलेरिया के लिहाज से हाई रिस्क श्रेणी में रखा है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने राज्यों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश देते हुए मच्छरों की रोकथाम, सर्विलांस और त्वरित उपचार व्यवस्था को मजबूत करने के लिए विस्तृत एडवाइजरी जारी की है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार इस वर्ष मौसम की परिस्थितियां डेंगू और मलेरिया फैलाने वाले मच्छरों के लिए अनुकूल बन सकती हैं। इसी को देखते हुए उन जिलों की पहचान की गई है, जहां पिछले तीन वर्षों के दौरान डेंगू और मलेरिया के 500 या उससे अधिक मामले सामने आए थे। इन्हीं आंकड़ों के आधार पर उदयपुर समेत राजस्थान के आठ जिलों को हाई रिस्क सूची में शामिल किया गया है।

हर सप्ताह चलेगा 'ड्राइंग-डे', मच्छरों की पैदाइश रोकने पर फोकस

केंद्र ने हाई रिस्क जिलों में प्रत्येक सप्ताह 'ड्राइंग-डे' अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। अभियान के तहत घरों, सरकारी कार्यालयों, स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों पर जमा पानी को हटाने, कूलर, टंकियों, गमलों और अन्य जल स्रोतों की नियमित सफाई कराने पर विशेष जोर रहेगा। इसके साथ ही मच्छरों के लार्वा को नष्ट करने के लिए व्यापक एंटी-लार्वा गतिविधियां भी संचालित की जाएंगी। स्वास्थ्य विभाग को लोगों को जागरूक करने, घर-घर सर्वे कराने और संभावित मरीजों की समय पर पहचान सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

रैपिड रिस्पॉन्स टीम रहेगी अलर्ट

मंत्रालय ने सभी राज्यों को डेंगू और मलेरिया के संभावित प्रकोप से निपटने के लिए रैपिड रिस्पॉन्स टीम (RRT) सक्रिय रखने को कहा है। साथ ही अस्पतालों में पर्याप्त दवाइयां, ब्लड, ब्लड कॉम्पोनेंट और जांच सुविधाएं उपलब्ध रखने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि मरीजों का समय पर उपचार किया जा सके।

देशभर में भी बढ़ी सतर्कता

स्वास्थ्य मंत्रालय की सूची में उत्तर प्रदेश के 23 जिले सबसे अधिक हाई रिस्क श्रेणी में हैं। इसके अलावा महाराष्ट्र के 15, पश्चिम बंगाल के 13, बिहार और पंजाब के 9-9, हरियाणा के 8, दिल्ली के 7, जबकि मध्य प्रदेश, गुजरात और उत्तराखंड के 4-4 जिले शामिल हैं। छत्तीसगढ़ का भी एक जिला इस सूची में रखा गया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि डेंगू और मलेरिया से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका मच्छरों को पनपने से रोकना है। ऐसे में उदयपुर सहित सभी हाई रिस्क जिलों में आमजन की भागीदारी के बिना इस चुनौती से निपटना आसान नहीं होगा। प्रशासन ने लोगों से घर और आसपास कहीं भी पानी जमा नहीं होने देने तथा बुखार आने पर तुरंत जांच कराने की अपील की है।

फिर सक्रिय हुआ मानसून, उदयपुर में आज मध्यम, कल से 26 तक भारी बारिश की संभावना

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। राजस्थान में मानसून एक बार फिर पूरी तरह सक्रिय हो गया है। मौसम विभाग ने अगले चार से पांच दिनों तक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में अच्छी बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है। उदयपुर संभाग में मंगलवार को हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है, जबकि 22 जुलाई से 26 जुलाई तक बारिश का दौर तेज होने के साथ कई स्थानों पर भारी बारिश होने की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटों में पूर्वी राजस्थान के कई जिलों में जोरदार बारिश दर्ज की गई। धौलपुर, जयपुर, सीकर, झुंझुनूं और बारां जिले के विभिन्न क्षेत्रों में कहीं-कहीं भारी से अतिभारी बारिश हुई। सबसे अधिक 119 मिमी बारिश सीकर ग्रामीण क्षेत्र में रिकॉर्ड की गई। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक उत्तर-पूर्वी राजस्थान और आसपास के क्षेत्र के ऊपर एक परिसंचरण तंत्र (साइक्लोनिक सर्कुलेशन) सक्रिय है। इसके साथ ही मानसून ट्रफ लाइन भी अपनी सामान्य स्थिति में बनी हुई है। इन अनुकूल मौसमी परिस्थितियों के कारण प्रदेशभर में मानसून की गतिविधियों में तेजी आने की संभावना है। मंगलवार को भरतपुर, जयपुर और अजमेर संभाग के कुछ इलाकों में मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। वहीं उदयपुर, जोधपुर और बीकानेर संभाग में भी हल्की से मध्यम बारिश का दौर जारी रहने की संभावना जताई गई है। 22 से 26 जुलाई के बीच कोटा, जयपुर, भरतपुर, अजमेर, उदयपुर, जोधपुर और बीकानेर संभाग के अधिकांश क्षेत्रों में व्यापक बारिश होने का अनुमान है। इस दौरान कई स्थानों पर भारी बारिश, जबकि एक-दो स्थानों पर अतिभारी बारिश भी हो सकती है।

मौसम विभाग ने निचले इलाकों में जलभराव, नदी-नालों के उफान और फिसलन भरी सड़कों को देखते हुए लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है। प्रशासन को भी संभावित भारी बारिश को लेकर सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

हाईकोर्ट के आदेश पर हाईवे किनारे चला बुलडोजर, मोहनपुरा में हटाए अवैध अतिक्रमण

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के अभियान के तहत मंगलवार को बड़गांव उपखंड के मोहनपुरा (चीरवा) क्षेत्र में प्रशासन ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए हाईवे किनारे किए गए अवैध कब्जों को हटाया। कार्रवाई उच्च न्यायालय के निर्देशों की पालना में जिला प्रशासन की निगरानी में की गई। अभियान के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई), राजस्व विभाग, उदयपुर विकास प्राधिकरण (यूडीए) और पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची। विभागीय अधिकारियों की मौजूदगी में राष्ट्रीय राजमार्ग की भूमि पर बने अवैध निर्माणों और अतिक्रमणों को हटाकर सरकारी भूमि को मुक्त कराया गया। प्रशासन के अनुसार इस क्षेत्र में एक दर्जन से अधिक अवैध अतिक्रमण चिह्नित किए गए हैं, जिनके खिलाफ चरणबद्ध कार्रवाई की जा रही है। बड़गांव उपखंड अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग की भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने लोगों से सरकारी और राष्ट्रीय राजमार्ग की भूमि पर अतिक्रमण नहीं करने तथा प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। साथ ही स्पष्ट किया कि भविष्य में भी इस तरह के अतिक्रमणों के विरुद्ध नियमानुसार अभियान लगातार जारी रहेगा। कार्रवाई के दौरान तहसीलदार हितेश त्रिवेदी, थानाधिकारी भारत योगी, एनएचएआई, यूडीए, राजस्व विभाग तथा पुलिस के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। प्रशासन ने पूरे अभियान को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराया।

15 दिवसीय अभिनय कार्यशाला शुरू, युवा सीख रहे थिएटर और कैमरा एक्टिंग की बारीकियां

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। अभिनय के क्षेत्र में करियर बनाने और व्यक्तित्व विकास की चाह रखने वाले युवाओं के लिए शहर में 15 दिवसीय विशेष अभिनय कार्यशाला का शुभारंभ हो गया है। पेलदूज आर्ट सोसायटी और मौलिक ऑर्गेनाइजेशन ऑफ क्रिएटिव एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यह कार्यशाला 5 अगस्त तक प्रतिदिन शाम 6 से 8 बजे तक सेक्टर-3 स्थित विकल्प क्लासेस में संचालित होगी। कार्यशाला का प्रशिक्षण फिल्म एवं रंगमंच अभिनेता शुभम आमेटा और जतिन भरवानी दे रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को थिएटर और कैमरा एक्टिंग के साथ-साथ अभिनय की तकनीकी और व्यावहारिक बारीकियों से रूबरू कराया जा रहा है। प्रशिक्षण में वॉइस मॉड्यूलेशन, स्पीच, बॉडी मूवमेंट, स्क्रिप्ट की समझ, भारतीय और पाश्चात्य अभिनय सिद्धांत तथा सीन वर्क जैसे विषयों पर विशेष फोकस किया जा रहा है, ताकि प्रतिभागी मंच और कैमरे दोनों के लिए खुद को तैयार कर सकें। आयोजकों का कहना है कि कार्यशाला का उद्देश्य केवल नए कलाकार तैयार करना नहीं है, बल्कि प्रतिभागियों में आत्मविश्वास, प्रभावी संवाद कौशल, व्यक्तित्व विकास, मंच संचालन और संप्रेषण क्षमता को भी विकसित करना है। थिएटर के माध्यम से रचनात्मक सोच, टीमवर्क और अभिव्यक्ति की कला को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। कार्यशाला में 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। प्रशिक्षण की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए प्रतिभागियों की संख्या 15 तक सीमित रखी गई है। कार्यशाला के समापन पर 5 अगस्त को प्रशिक्षार्थी अपनी अभिनय प्रस्तुतियां देंगे।

हरियाली से सराबोर मौसम में जेजेसी पारिवारिक फैमिली स्नेह मिलन का आयोजन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, । सावन की हरियाली और खुशनुमा मौसम के बीच सामाजिक संस्थान जैन जागृति सेन्टर उदयपुर की ओर से होटल रेजेंटा प्लेस सितारा में पारिवारिक फैमिली स्नेह मिलन सावन मस्ती 2026 का आयोजन संस्थान के मुख्य संरक्षक राजकुमार फत्तावत के निर्देशन में उत्साह और उमंग के साथ किया गया। कार्यक्रम में सदस्यों एवं उनके परिवारों ने पूरे दिन विभिन्न खेलों, सांस्कृतिक गतिविधियों और मनोरंजक प्रतियोगिताओं का आनंद लिया।

फत्तावत ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस तरह की पारिवारिक पिकनिक से सदस्यों के बीच आपसी प्रेम, एकता और आत्मीयता को और मजबूत किया। समय-समय पर ऐसे पारिवारिक आयोजनों के नियमित आयोजन करते रहेंगे जिससे आपसी समरसता बनी रहे।

जेजेसी अध्यक्ष अरूण मेहता ने बताया कि पिकनिक के दौरान सभी आयु वर्ग के प्रतिभागियों के लिए अनेक रोचक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें बचपन की यादें , रस्साकशी, रुमाल झपट्टा, जोड़ी बनाओ, म्यूजिक मस्ती अंताक्षरी, बच्चों का देशभक्ति नृत्य, महापुरुष को पहचानो (इतिहास के नायकों का स्मरण) तथा सावन तंबोला प्रमुख आकर्षण रहे। प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और माहौल हंसी-खुशी एवं सौहार्द से भर गया। कार्यक्रम के दौरान अमित जैन एवं मोनिका जैन का सम्मान किया गया। साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पारितोषिक प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

कार्यक्रम में राजकुमार फत्तावत, चंद्रप्रकाश चोरडिया, नितिन लोढ़ा, ललित कोठारी, नीता छाजेड़, रचिता मोगरा, अशोक कोठारी, दीपक सिंघवी, भूपेंद्र गजावत, सोनल सिंघवी, श्याम नागौरी, लक्ष्मण शाह, संदीप कोठारी, भारत दानी, विमल कटारिया, सुरेश बाबेल, सिद्धार्थ मोगरा, वीरेंद्र सिंघवी, सुशील गांधी, राकेश छाजेड़, नीलेश भंडारी, ललित तलेसरा, सुनीता भाणावत, अंकुश सुराणा, उपासना म_ा, मोनिका बोहरा, पिंकी चित्तौड़ा, वंदना नाहर एवं गरिमा कोठारी सहित बड़ी संख्या में सदस्य एवं उनके परिवारजन उपस्थित रहे।

उदयपुर में कल होगा आचार्य डॉ. मुक्ति सागर व आचार्य अचल मुक्ति सागर का भव्य नगर प्रवेश

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। आयड़ तीर्थ में चातुर्मास के लिए पधार रहे परम पूज्य आचार्य डॉ. देवेश मुक्ति सागर सूरीश्वर महाराज एवं आचार्य अचल मुक्ति सागर सूरी महाराज का बुधवार को उदयपुर में भव्य नगर प्रवेश होगा। श्री जैन श्वेताम्बर महासभा के तत्वावधान में आयोजित इस धार्मिक आयोजन को लेकर समाज में उत्साह का माहौल है। महासभा के महामंत्री कुलदीप नाहर ने बताया कि आचार्य संघ मध्यप्रदेश के उज्जैन से विहार करते हुए बुधवार सुबह धूलकोट स्थित राजेन्द्र सूरी मंदिर पहुंचेगा। इसके बाद सुबह 7 बजे ठोकर चौराहे पर श्रद्धालु आचार्य संघ का स्वागत करेंगे। स्वागत के उपरांत भव्य शोभायात्रा के साथ नगर प्रवेश कराया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं के शामिल होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष आचार्य संघ का चातुर्मास आयड़ तीर्थ में होगा। चातुर्मास प्रवेशोत्सव 26 जुलाई को धूलकोट स्थित राजेन्द्र सूरी मंदिर से आयड़ तीर्थ तक भव्य शोभायात्रा के साथ आयोजित किया जाएगा। नगर प्रवेश और चातुर्मास प्रवेशोत्सव की तैयारियों के तहत मंगलवार को श्री जैन श्वेताम्बर महासभा का प्रतिनिधिमंडल डबोक पहुंचा, जहां आचार्य श्री के दर्शन कर उन्हें उदयपुर पधारने का विनय निवेदन किया गया। प्रतिनिधिमंडल में कुलदीप नाहर, अशोक जैन, हेमंत सिंघवी, चतर सिंह पामेचा, राजेन्द्र जवेरिया सहित समाज के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

उदयपुर में गैस शवदाह गृह तीन दिन रहेगा बंद, 25 जुलाई से फिर शुरू होगी सेवा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। अशोक नगर स्थित मोक्षधाम में संचालित गैस शवदाह गृह का संचालन तीन दिनों के लिए बंद रहेगा। अग्रसेन सहायता कोष ट्रस्ट ने अपरिहार्य कारणों से 22 जुलाई से 24 जुलाई तक गैस शवदाह सेवा स्थगित रखने का निर्णय लिया है। निर्धारित अवधि के दौरान गैस आधारित शवदाह की सुविधा उपलब्ध नहीं रहेगी। उन्होंने बताया कि आवश्यक कार्य पूर्ण होने के बाद 25 जुलाई से गैस शवदाह गृह का संचालन पुनः पूर्ववत शुरू कर दिया जाएगा। ट्रस्ट ने आमजन से अपील की है कि निर्धारित अवधि के दौरान अंतिम संस्कार से संबंधित व्यवस्था के लिए इस सूचना को ध्यान में रखें।

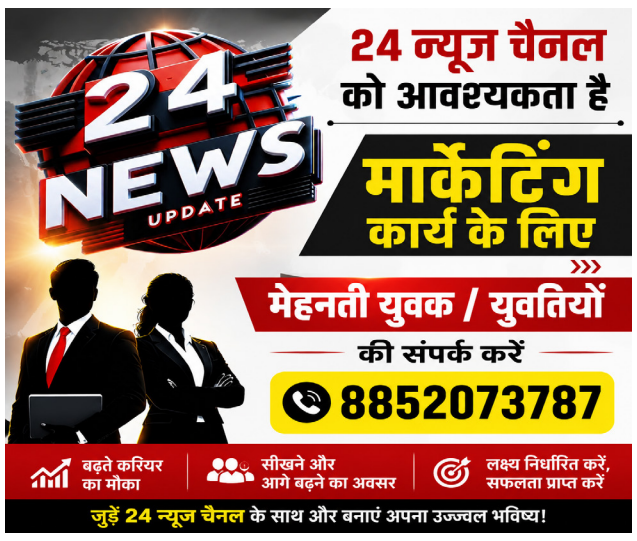

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com
wathsapp : 8852073787

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।